कहां है प्रदूषण नियंत्रण विभाग, पर्यावरण पर बन रहा है गंभीर खतरा

जहर उगलता बोरगांव इंडस्ट्रियल एरिया, नदियां बनी केमिकल कुंड, इंसान और मवेशियों की जिंदगी खतरें में

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर, मुकेश बागड़े

बोरगांव औद्योगिक क्षेत्र वर्षों से पर्यावरणीय संकट का केंद्र बना हुआ है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की उदासीनता के चलते स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। आरोप है कि क्षेत्र में संचालित कई औद्योगिक इकाइयां प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियमों को धता बताते हुए फैक्ट्रियों से निकलने वाला केमिकल युक्त जहरीला पानी खुलेआम सरकारी नालों और प्राकृतिक जल स्रोतों में छोड़ रही हैं। इस वजह से न केवल नदियों और नालों का अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है, बल्कि आसपास के गांवों के लोगों और बेजुबान पशुओं का जीवन भी संकट में आ गया है।जनपद पंचायत सदस्य विल्सन मेश्राम ने इस पूरे मामले को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं।

उनका कहना है कि बोरगांव औद्योगिक क्षेत्र से निकलने वाले दो प्रमुख गंदे नाले आगे जाकर एक हो जाते हैं और फिर सीधे क्षेत्र की नदियों में मिलते हैं। गर्मी के मौसम में जहां प्राकृतिक जल स्रोत लगभग सूख जाते हैं, वहीं इन नालों में जहरीला पानी लगातार बहता दिखाई देता है। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-547 के

आसपास कई स्थानों पर यह पानी जमा होकर तालाब जैसा दृश्य प्रस्तुत करता है और कुछ समय बाद रहस्यमय तरीके से गायब हो जाता है। इससे पूरे मामले में अनियमितता और मिलीभगत की आशंकाएं गहरा रही हैं।

मेश्राम के अनुसार इस प्रदूषण का असर बोरगांव, पीपला, सतनूर, सगम, खेरितायगांव, गोवारी, वाधोना सहित कई गांवों पर पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि लगातार प्रदूषित पानी बहने से भूजल की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। कई स्थानों पर पानी के रंग और गंध में बदलाव की शिकायतें भी सामने आई हैं। लोगों को आशंका है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी तो आने वा ले

वर्षों में पेयजल का गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। सबसे चिंताजनक स्थिति बेजुबान पशुओं की बताई जा रही है। भीषण गर्मी में पानी की तलाश में भटकने वाले मवेशी और अन्य जानवर मजबूरी में इन्हीं जल स्रोतों के पास पहुंचते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह पानी पशुओं के स्वास्थ्य के लिए भी घातक साबित हो सकता है। पर्यावरण प्रेमियों का मानना है कि यदि जहरीले अपशिष्टों का प्रवाह इसी तरह जारी रहा तो स्थानीय जैव विविधता पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।विल्सन मेश्राम ने ए.के.वी.एन., प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अन्य संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि कई बार शिकायतें, ज्ञापन और आवेदन दिए जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों द्वारा जनसहयोग से नालों को रोकने के प्रयास भी किए गए, लेकिन कथित रूप से रात के अंधेरे में फिर से प्रदूषित पानी छोड़ा जाने लगा।

बीमारियों का बढ़ रहा है लगातार खतरा

जल प्रदूषण के साथ-साथ वायु प्रदूषण भी क्षेत्र की बड़ी समस्या बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला काला धुआं और कोयले के महीन कण घरों तक पहुंच रहे हैं। छतों, आंगनों और कमरों में कालिख जमने से लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। बच्चों और बुजुर्गों में श्वास संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। जनपद सदस्य ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी कंपनियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो क्षेत्रवासी व्यापक जनआंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों का कहना है कि उद्योगों के विकास का वे विरोध नहीं करते, लेकिन विकास की कीमत लोगों के स्वास्थ्य, पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से नहीं चुकाई जा सकती। अब सभी की निगाहें प्रशासन और संबंधित विभागों की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

निगम की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई, नागपुर रोड क्षेत्र से हटाया गया अतिक्रमण

छिन्दवाड़ा। नगर निगम आयुक्त श्री सी.पी.राय के निर्देशानुसार शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने एवं सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में नगर निगम की टीम ने आज नागपुर रोड स्थित ईएलसी चौक से डी.डी.सी. कॉलेज, चंदनगांव माता मंदिर के पास एवं इमलीखेड़ा चौक के आसपास अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया।

कार्रवाई के दौरान क्षेत्र के सभी फुटकर व्यापारियों को पूर्व में अलाउंसमेंट के माध्यम से यह हिदायत दी गई थी कि वे सड़क पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें। इसके बावजूद पुनः सड़क पर अतिक्रमण पाए जाने पर नगर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाया तथा सड़क पर रखे सामान को जब्त किया। नगर निगम ने फुटकर व्यापारियों से अपील की है कि वे निर्धारित स्थानों पर ही अपना व्यवसाय करें तथा सड़कों पर अतिक्रमण कर यातायात बाधित न करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी नियमित रूप से कार्रवाई जारी रहेगी।

लोधीखेड़ा भवन में प्लंबर की संदिग्ध मौत, सुरक्षा इंतजामों पर उठे गंभीर सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

नगर परिषद लोधीखेड़ा के नवनिर्मित भवन में हुए एक दिल दहला देने वाले हादसे ने प्रशासन के दावों की पोल खोल दी है। गुरुवार को लापता हुए एक प्लंबर का शव शुक्रवार को निर्माणधीन भवन के सेप्टिक टैंक में मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान छिंदवाड़ा निवासी खालिद के रूप में हुई है, जो यहाँ अपनी मेहनत-मजदूरी करने आया था। परिजनों ने इसे 'हादसा' नहीं, बल्कि प्रशासन और ठेकेदार की 'आपराधिक लापरवाही' करार दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, खालिद गुरुवार से लापता था। संपर्क न होने पर जब परिजनों ने मोबाइल लोकेशन ट्रैक की, तो वह नगर परिषद भवन के पास मिली। शुक्रवार को जब पुलिस और परिजन वहां पहुंचे, तो सेप्टिक टैंक के भीतर खालिद का शव मिला। आशंका जताई जा रही है कि काम के दौरान करंट लगने से उसकी मौत हुई, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि वह गुरुवार को ही हादसे

परिजनों का आरोपः मौत के कुएं में धकेला गया

मृतक के परिजनों ने नगर परिषद प्रशासन और संबंधित ठेकेदार के खिलाफ आक्रोश जताते हुए इसे घोर लापरवाही का मामला बताया है। परिजनों का आरोप है निर्माण स्थल पर सुरक्षा के कोई मानक नहीं अपनाए गए थे। सेप्टिक टैंक जैसे खतरनाक स्थान पर काम करते समय बिजली के तारों और उपकरणों में सुरक्षा का अभाव था। हादसे के बाद प्रशासन ने मामले को दबाने की कोशिश की, जिससे आक्रोश और बढ़ गया।लोधीखेड़ा थाना प्रभारी एबी मर्सकोले ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सौसर भेजा गया है। फिलहाल मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।हालांकि, सवाल यह है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने से पहले ही प्रशासन अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकता है? एक सरकारी निर्माण कार्य में एक श्रमिक की जान जाना, सीधे तौर पर प्रशासनिक जवाबदेही पर प्रश्नचिह्न लगाता है।

बड़ा सवालः आखिर जिम्मेदार कौन?

स्थानीय लोगों और परिजनों की मांग है कि इस मामले की निष्पक्ष उच्च-स्तरीय जांच हो। क्या निर्माण कार्य का ठेका लेने वाली कंपनी ने सुरक्षा उपकरणों पर पैसा बचाया? और क्या नगर परिषद के अधिकारियों ने बिना सुरक्षा मानकों की जांच किए भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी थी?

का शिकार हुआ था, तो नगर परिषद के अधिकारियों और निर्माण कार्य की देखरेख कर रहे ठेकेदार को इसकी भनक क्यों नहीं लगी? क्या निर्माण स्थल पर कोई सुरक्षा गार्ड या सुपरवाइजर मौजूद नहीं था?

जन कल्याण शिविर में पहले दिन आए 53 आवेदन

बड़कुही / परासिया :- नगर परिषद बड़कुही द्वारा पुराने नगर परिषद कार्यालय परिसर में जन योजनाओं , सेवाओं , का लाभ दिलाने जन कल्याण शिविर का आयोजन किया गया है । यह शिविर 12 से 14 जून तक लगेगा । जिसके पहले दिन 53 आवेदन आए । सी एम ओ रंजीत अहाके ने लोगों से अपील की है , कि वे शिविर का लाभ उठाएं ।

नगर निगम सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित

छिंदवाड़ा। नगर निगम आयुक्त सी.पी. राय की अध्यक्षता में नगर निगम सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त टीएल शिकायतों के समय-सीमा में निराकरण की समीक्षा की गई। साथ ही सांसदों एवं विधायकों के पत्रों के आधार पर प्राप्त आवेदनों पर की गई कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं जनाकांक्षा पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए। इस दौरान उपायुक्त कमलेश निर्गुणकर, कार्यपालन यंत्री हिमांशु अटुलकर सहित नगर निगम की सभी शाखाओं के प्रमुख अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नाबालिक अपहरण कांड में पुलिस ने गाडरवारा से की 4 गिरफ्तारी, न्यायालय में पेश कर भेजा गया जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जुन्नारदेव

बीती 27 में को जुन्नारदेव क्षेत्र की एक नाबालिक किशोरी के अपहरण का मामला प्रकाश में आया था जिसके बाद से ही पुलिस अपहृत नाबालिक और आरोपी की तलाश कर रही है इस मामले में पुलिस द्वारा बीते दिनों भी साक्ष्य के आधार पर अलग-अलग धाराओं में 06 लोगों की गिरफ्तारी कर उन्हें जेल भेजा गया था। शुक्रवार 12 जून को भी पुलिस द्वारा इस मामले में मुख्य आरोपी का साथ देने वाले चार आरोपियों की गिरफ्तारी कर उन्हें न्यायालय में पेश करने के उपरांत जिला जेल भेजा गया है।

थाना प्रभारी जे मसराम से मिली जानकारी अनुसार नाबालिक अपहरण के मामले में पुलिस को मुखबिर की सूचना और आसपास पूछताछ करने पर पता चला कि अरशद द्वारा थार गाड़ी सीजी 04केसी9980 से अपहृत बालिका को ले जाया गया है। गाड़ी की डिटेल निकालने पर गाड़ी मालिक फैजल खान का होना पता चला है। मुख्य आरोपी का सहयोग करने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध धारा 49

बीएनएस 16/17 पास्को एक्ट के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। मामले में काजू उर्फ़ अरशद पिता शेख फरीद निवासी सग्गम गोलाई जुन्नारदेव की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा रुपए 5000 की इनामी घोषणा जारी की गई है। मामले में पुलिस अधीक्षक अजय पांडे द्वारा पृथक पृथक टीम तैयार कर अलग-अलग शहरों में टीम रवाना की गई है।

पुलिस को मुखबिर द्वारा आरोपी के गाडरवारा क्षेत्र में होने की सूचना पर दबिश दी गई। पुलिस पहुंचने के पहले ही आरोपी नाबालिक अपहर्ता को थार गाड़ी से लेकर फरार हो गया था। पूछताछ करने पर पुलिस को पता चला कि आरोपी को समीर उर्फ गप्पू पिता रहीमुद्दीन खान उम्र 35 साल निवासी चावड़ी वार्ड नंबर 13 बरबड़ी थाना गाडरवारा, नासिर खान पिता जफर खान उम्र 51 साल निवासी चुंगी नाका हंसराज मालपानी के पीछे शास्त्री वार्ड थाना गाडरवारा, सोहेल खान पिता नासिर खान उम्र 24 साल निवासी चुंगी नाका नया बस स्टैंड के पास गाडरवारा थाना गाडरवारा, शेख अंसार पिता नासिर खान उम्र 26 साल निवासी चुंगी नाका हंसराज मालपानी के पीछे शास्त्री वार्ड थाना गाडरवारा की गिरफ्तारी कर न्यायालय में पेश कर जिला जेल भेजा गया है।

पुलिस द्वारा लगातार मुख्य आरोपी और अपहृत नाबालिक की तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी द्वारा शीघ्र ही मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने की बात कही गई है। पुलिस द्वारा मुख्य आरोपी की चल अचल संपत्ति की जानकारी प्राप्त कर संबंधित विभाग को भी कार्यवाही हेतु भेजे जाने की बात पुलिस द्वारा कही गई है।

आरोपी की पताशाजी में पुलिस अधीक्षक अजय पांडे के निर्देश पर उप निरीक्षक मुकेश डोंगरे, उप निरीक्षक अंजना मरावी, आरक्षक मयंक उईके, चेतन मर्सकोले की टीम मुख्य भूमिका निभा रही है।

मानका देई पंचायत में भ्रष्टाचार और अव्यवस्थाओं के आरोप, जल संकट के बीच बढ़ी ग्रामीणों की परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

जनपद पंचायत तामिया अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मानका देई इन दिनों कथित भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितताओं और प्रशासनिक लापरवाही के आरोपों को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई है। पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणों का आरोप है कि विकास कार्यों के नाम पर भारी राशि का आहरण किया जा रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता गंभीर सवालों के घेरे में है। यही कारण है कि पंचायत में हो रहे निर्माण कार्यों और भुगतान प्रक्रियाओं को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं।ग्रामीणों के अनुसार पंचायत के नींबू ढाना में निर्माणाधीन सीसी रोड में तकनीकी मापदंडों की अनदेखी की गई है। आरोप है कि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के विपरीत कराया जा रहा है, जिससे सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका जताई जा रही है। इस संबंध में पूर्व में समाचार पत्रों में सचित्र खबरें भी प्रकाशित हुई थीं, जिनमें निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और तकनीकी प्रक्रियाओं पर सवाल उठाए गए थे। इसके बावजूद अब तक किसी सक्षम अधिकारी द्वारा विस्तृत जांच नहीं कराए जाने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत सचिव का प्रभाव इतना अधिक है कि शिकायतों के बावजूद संबंधित अधिकारी कार्रवाई करने से बचते नजर आ रहे हैं। पंचायत में सीसी रोड और शेड निर्माण जैसे कार्यों में अनियमितताओं के आरोप लगातार लगाए जा रहे हैं, लेकिन जांच की दिशा में कोई ठोस कदम दिखाई नहीं दे रहा है। इससे

लोगों के बीच यह चर्चा भी तेज हो गई है कि आखिर शिकायतों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है।इधर पंचायत क्षेत्र वर्तमान में पेयजल संकट से भी जूझ रहा है। भीषण गर्मी और घटते जल स्रोतों के बीच ग्रामीणों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। आरोप है कि पंचायत के पास उपलब्ध टैंकरों का उपयोग ग्रामीणों को पानी उपलब्ध कराने के बजाय निर्माण कार्यों में किया जा रहा है। यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं तो यह ग्रामीणों की मूलभूत आवश्यकताओं की अनदेखी का गंभीर मामला माना जाएगा।पानी की समस्या के कारण महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई परिवारों को दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है, जबकि पंचायत प्रशासन इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करता दिखाई नहीं दे रहा। ग्रामीणों का कहना है कि जब पूरा क्षेत्र जल संकट से जूझ रहा है, तब पंचायत के संसाधनों का प्राथमिक उपयोग पेयजल व्यवस्था के लिए होना चाहिए।हैरानी की बात यह है कि पंचायत में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों के बावजूद न तो जनपद पंचायत स्तर पर कोई स्पष्ट जांच शुरू की गई है और न ही जिला पंचायत की ओर से कोई ठोस कार्रवाई सामने आई है। इससे ग्रामीणों में प्रशासनिक उदासीनता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि आरोप निराधार हैं तो निष्पक्ष जांच कराकर सच्चाई सामने लाई जानी चाहिए और यदि अनियमितताएं पाई जाती हैं तो दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

तेंदुखेड़ा में वित्तीय अनियमितता की हुई शिकायत

परासिया :- विधानसभा परासिया की ग्राम पंचायत तेंदुखेड़ा में शासन कि राशि का दुरूपयोग किया जा रहा है । जिसको लेकर जनपद सी ई ओ से लिखित शिकायत किए जाने के साथ - साथ सी एम हेल्पलाइन में भी शिकायत कर जांच की मांग की गई है ।शिकायतकर्ता भुवनलाल कुशवाहा ने अपनी शिकायत में कहा है , कि (1) स्ट्रेट लाईट कि राशि 80,000 रूपए दिसंबर माह 2023 में बिना टी. एस. और ए.एस. के निकाली गई। इसी स्ट्रेट लाईट पर दोबारा टी. एस. और ए.एस. करके राशि 4,95,000 रूपए 2025 - 26 में निकाली गई जबकि अधिकतर लाइट ख़राब हो गए हैं , जो 4, 95 , 000 कि फर्जी राशि का भुगतान करके गबन किया गया है ।(2) मोटर पम्प संधारण के नाम पर बिल सितम्बर माह 2023 से अभी तक 4, 50, 000 रूपए निकाले गए हैं , जिसमें सभी बिल पलटवाड़ा के एक ही व्यक्ति के नाम से लगे है , जिसमें अधिकतर सभी बिल फर्जी है सभी बिल कि जाँच कि जाये ।(3) निर्मल नीर मरम्मत के लिए 3.30 लाख रूपए कि टी. एस. थी , इसके आलावा बिना टी. एस. और ए.एस. के 57000 रूपए निकाले गए ।(4) ग्राम पंचायत तेंदुखेडा में लगभग 10 हितग्राहियों के खेत तालाब स्वीकृत हैं जिसमें सभी अधूरे हैं और उपयंत्री सरपंच सचिव कि मिलीभगत से राशि पूरी निकाल ली गई है । सभी खेत तालाबों का भौतिक सत्यापन किया जाये । शिकायतकर्ता ने मामले में जांच के साथ जांच प्रतिवेदन की मांग भी रखी है ।

रोहना दरबार दूल्हन सा सजा, दीपक सक्सेना का धूमधाम से मनाया 71वां जन्मदिन

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना का 71वां जन्मदिन बुधवार को उनके गृह ग्राम रोहना में हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूरा रोहना क्षेत्र उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। गांव की साज-सज्जा, स्वागत द्वार, आकर्षक रोशनी और बैनर-पोस्टरों ने माहौल को ऐसा बना दिया था मानो किसी बड़े पारिवारिक समारोह का आयोजन हो रहा हो। पूरे आयोजन के दौरान रोहना दरबार सचमुच दूल्हन की तरह सजा हुआ दिखाई दिया।जन्मदिन समारोह में जिले भर से बड़ी संख्या में समर्थक, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक पहुंचे। अतिथियों के स्वागत के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। आयोजन स्थल पर सुबह से ही

लोगों का आना-जाना शुरू हो गया था और देर शाम तक बधाई देने वालों का सिलसिला जारी रहा। दीपक सक्सेना की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनके जन्मदिन को लेकर समर्थकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। लोगों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दीं। कई सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी पहुंचकर उनका सम्मान किया। दीपक सक्सेना की पहचान एक ऐसे जननेता के रूप में रही है, जिन्होंने हमेशा सहजता, सरलता और आत्मीयता के साथ लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है।

दोनों पक्षों ने लगाए गंभीर आरोप, एसपी के नाम सौंपा ज्ञापन

मेघासिवनी विवाद की गूंज, राजनीतिक गलियारों में उलझा मुद्दा

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

जिले के मेघासिवनी से जुड़े विवाद ने अब राजनीतिक रूप ले लिया है। मामले को लेकर सांसद पक्ष और कांग्रेस नेताओं के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं, जिससे क्षेत्र का राजनीतिक माहौल गर्मा गया है।

विवाद को लेकर जहां एक ओर पारदर्शिता और जांच की मांग उठाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर इसे राजनीतिक लाभ के लिए मुद्दा बनाने का आरोप लगाया जा रहा है।जानकारी के अनुसार मेघासिवनी प्रकरण को लेकर पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चाएं चल रही हैं।

सांसद समर्थकों का कहना है कि मामले में कई ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिनकी निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। उनका आरोप है कि यदि समय रहते मामले की गहराई से पड़ताल नहीं की गई तो कई महत्वपूर्ण पहलू सामने आने से रह जाएंगे। सांसद पक्ष का कहना है कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।दूसरी ओर कांग्रेस नेताओं ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे राजनीतिक साजिश बताया है। कांग्रेस का कहना है कि बिना तथ्यों और प्रमाणों के आरोप लगाकर जनता के बीच भ्रम की स्थिति पैदा की जा रही है। पार्टी नेताओं का आरोप है कि कुछ लोग राजनीतिक लाभ लेने और अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि किसी के पास ठोस प्रमाण हैं तो उन्हें संबंधित एजेंसियों और प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए, ताकि निष्पक्ष जांच हो सके।विवाद के बढ़ने के साथ ही दोनों दलों के कार्यकर्ता भी सक्रिय हो गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार बयान, पोस्ट और वीडियो साझा किए जा रहे हैं। समर्थक अपने-अपने नेताओं के पक्ष में तर्क दे रहे हैं, जबकि विरोधी पक्ष पर सवाल उठा रहे हैं। इससे मामले को लेकर लोगों की दिलचस्पी और बढ़ गई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सोशल मीडिया की सक्रियता ने इस विवाद को और अधिक चर्चा में ला दिया है।

स्थानीय स्तर पर भी इस मुद्दे को लेकर विभिन्न प्रकार की चर्चाएं हो रही हैं। क्षेत्र के लोग पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं और प्रशासन की भूमिका को महत्वपूर्ण मान रहे हैं। आम नागरिकों का कहना है कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से अधिक जरूरी है कि मामले की वास्तविक स्थिति सामने आए।

स्वीट कॉर्न से किसान जितेन्द्र कमा रहे हैं लाखों का मुनाफा

75 दिन में बदली खेती की तस्वीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

जिले के विकासखंड परासिया, तहसील उमरेठ के ग्राम छाबड़ीकला के प्रगतिशील किसान श्री जितेन्द्र पवार ने शासन की मंशा के अनुरूप कृषक कल्याण वर्ष 2026 के उद्देश्य को पूरा करते हुए परंपरागत खेती से आगे बढ़ते हुए स्वीट कॉर्न की उन्नत खेती अपनाकर क्षेत्र के किसानों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। श्री पवार ने वर्ष 2026 में लगभग 15 एकड़ क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई आधारित स्वीट कॉर्न (स्वीट क्वीन वैरायटी) की खेती की है। फसल की बुवाई 12 से 15 अप्रैल के बीच की गई थी। वर्तमान में फसल उत्कृष्ट स्थिति में है तथा पौधों में छावर एवं भुट्टों का विकास अच्छी तरह हो चुका है।

कृषक श्री पवार बताते हैं कि स्वीट कॉर्न एक अल्पावधि लगभग 75 दिन की नकदी फसल है, जिससे कम समय में बेहतर आय प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने पिछले वर्ष 7 एकड़ में स्वीट कॉर्न की खेती कर लगभग 10 लाख रुपये का विक्रय किया था। उत्पादन लागत निकालने के बाद उन्हें प्रति एकड़ लगभग 1 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। इसी सफलता से प्रेरित होकर उन्होंने इस वर्ष खेती का रकबा बढ़ाकर 15 एकड़ कर दिया है।

स्वीट कॉर्न की बढ़ती मांग, बेहतर बाजार उपलब्धता एवं ड्रिप सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग ने उनकी खेती को अधिक लाभकारी बनाया है। वर्तमान में छिंदवाड़ा जिले में लगभग 5 हजार एकड़ क्षेत्र में स्वीट कॉर्न की खेती की जा रही है, जो किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। शुक्रवार को उपसंचालक कृषि श्री जितेन्द्र कुमार सिंह ने ग्राम छाबड़ीकला का भ्रमण कर श्री पवार के खेत में लगी स्वीट कॉर्न फसल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान फसल की उत्कृष्ट स्थिति एवं अपनाई गई वैज्ञानिक कृषि तकनीकों की सराहना की गई। इस अवसर पर अनुविभागीय कृषि अधिकारी परासिया श्री प्रमोद सिंह उट्टी सहित क्षेत्र के किसान श्री रामजी पवार, श्री कैलाश पवार, श्री राम पवार एवं श्री उमेश पवार भी उपस्थित थे।

किसानों के लिए प्रेरणा

कृषक जितेन्द्र पवार की सफलता यह दर्शाती है कि यदि किसान आधुनिक तकनीकों, गुणवत्तायुक्त बीज, सूक्ष्म सिंचाई एवं बाजार उन्मुख फसलों को अपनाएं तो कम समय में अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। उनकी यह उपलब्धि जिले के अन्य किसानों को भी परंपरागत फसलों के साथ-साथ उच्च मूल्य वाली फसलों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही है। प्रगतिशील कृषक श्री जितेन्द्र पवार कहते हैं कि स्वीट कॉर्न की खेती ने मेरी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। सही तकनीक, उचित प्रबंधन और बाजार की जानकारी के साथ किसान कम समय में अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

खेलो इंडिया अभियान के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण को मिला नया आयामः सांसद

छिंदवाड़ा। भारत सरकार के खेल मंत्रालय एवं भारतीय साइकिलिंग फेडरेशन के निर्देशानुसार इनर ग्राउंड नागपुर रोड से इमलीखेड़ा चौक तक साईकिलिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न विकासखंडों की लगभग 100 बालिका और महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम में पहुंचे सांसद बंटी विवेक साहू ने महिलाओं का उत्साहपूर्वक करते हुए कहा कि खेलों इंडिया अभियान के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण को नया आयाम मिला है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के खेल मंत्रालय एवं भारतीय साईकिलिंग फेडरेशन के द्वारा अस्मिता महिला साइकिल प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन किया गया था। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर सांसद बंटी विवेक साहू कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने जहा बालिकाओं के साथ साईकिलिंग की वहीं साईकल रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। प्रतियोगिता के पूर्व खेल एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु साइकिल रैली भी निकाली गई। इस अवसर पर सांसद श्री साहू ने प्रतियोगिता के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष नवीन बारस्कर, अंकुर शुक्ला, मध्यप्रदेश साइकिलिंग संघ श्री बी.एस. राजपूत, सचिव पी.एल. साहू, राकेश चौरसिया, अनुरोध शर्मा, अंकित सोलंकी, प्रताप इवनाती, श्रीमती ललिता वासनिक सहित खेल प्रशिक्षक, संघ के पदाधिकारी एवं अधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जामसांवली हनुमान लोक में आज भक्ति की सरिता

सौंसर। आस्था और श्रद्धा के अद्भुत केंद्र 'हनुमान लोक' जामसांवली धाम में शनिवार, 13 जून की शाम भक्ति के रंग में सराबोर होगी। मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले 'भक्ति भजन जैमिंग' कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक ऋषभ जैन अपनी मधुर प्रस्तुतियों से भक्तों को आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कराएंगे। आयोजन के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, इस भव्य संध्या में भजनों की स्वर लहरियां गुंजायमान होंगी। भजन गायक ऋषभ जैन की मधुर आवाज और श्रीराम व हनुमान जी के जयकारों से पूरा हनुमान लोक भक्तिमय हो उठेगा। यह आयोजन न केवल संगीत का संगम होगा, बल्कि सेवा और समर्पण की भावना का भी प्रतीक बनेगा। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए मंदिर के नियमित श्रद्धालुओं की टीम दिन-रात जुटी हुई है। आयोजन में अपनी सेवाएँ देने वाली मुख्य टीम में शामिल हैं:अंकित अरोरा और निखिल बागानी,सजावट विकास शर्मा,रोही कटहल को सोपी गई है। चमत्कारिक श्री हनुमान मंदिर संस्थान के अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है। उन्होंने कहा, जामसांवली धाम केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और सामाजिक एकता का प्रेरणास्थल भी है। यह आयोजन भक्तों के आपसी सहयोग का परिणाम है।*उन्होंने समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस संगीतमय भक्ति संध्या का लाभ उठाएं और हनुमान जी की कृपा प्राप्त करें।

पुलिस को मिले टेबलेट, कार्य को पेपरलेस करने बढ़ेंगे कदम

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

परासिया पुलिस अनुभाग के अंतर्गत पुलिस अधिकारियों को टेबलेट का वितरण किया गया । इसे कार्य को पेपरलेस करने की ओर कदम बढ़ाना बताया जा रहा है । यह टेबलेट वितरण एस डी ओ पुलिस की उपस्थिति में किया गया ।

शुक्रवार को परासिया जनपद सभाग्रह में परासिया पुलिस अनुविभाग के अंतर्गत उमरेठ , शिवपुरी , चांदामेटा , परासिया थाना और बड़कुही , न्यूटन , कन्हरगांव के पुलिस अधिकारियों को डी एस पी जितेन्द्र सिंह जाट की उपस्थिति में उनके हाथों से टेबलेट्स बाँटे गए । इस से पहले जबलपुर से आए पुलिस विभाग के ट्रेनर ने मौजूद सभी पुलिस अधिकारियों और अन्य कर्मियों को टेबलेट के उपयोग का तरीका बताया । प्रशिक्षण दिया एस डी ओ पुलिस श्री जाट ने बताया कि टेबलेट के उपयोग से विवेचना सरल होगी । इसके उपयोग से पेपर वर्क कम होगा । पेन आदि पर निर्भरता कम होने के साथ साथ पारदर्शिता बढ़ेगी । कार्यक्रम में थाना प्रभारी ईश्वरी पटले , खेलचंद पटले , विजय सिंह राजपूत , कंचन सिंह राजपूत , चौकी प्रभारी दिनेश बघेल , अक्रजय धुर्वे और अधीनस्थ स्टॉफ मौजूद रहा ।

मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का शतप्रतिशत लोगों को मिल रहा लाभः सांसद

सांसद ने सूठिया, धमनिया और तुरसी में लगाई चौपाल

छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू ने परासिया विकासखण्ड के ग्राम सूठिया, धमनिया और तुरसी में चौपाल लगाकर चौपाल में बडी संख्या में पहुंचे आदिवासी भाई-बहनों व ग्रामीणों और आमजनों से चर्चा करते हुये उनकी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण भी किया है। इस अवसर पर सांसद बंटी विवेक साहू ने ग्रामीणों को बताया कि मोदी सरकार के 12 साल विश्वास,विकास एवं जनकल्याण के रहे है। इस दौरान सांसद श्री साहू ने ग्रामीणों एवं आमजनों को बताया कि मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का शतप्रतिशत लोगों को लाभ मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि सांसद बंटी विवेक साहू ने मोदी सरकार के सफलतम 12 वर्ष विकास के, विश्वास के एवं जनकल्याण को लेकर शुक्रवार को परासिया विकासखण्ड के ग्राम सूठिया, धमनिया और तुरसी में जहां चौपाल लगाई वही गांवों में जनसंपर्क अभियान के तहत आदिवासी भाई-बहनों व ग्रामीणों और आमजनों से मुलाकात करते हुए उनकी समस्याएं सुनकर उसका मौके पर ही निराकरण भी किया। इस दौरान सांसद श्री साहू ने सूठिया में दोपहर में चौपाल लगाते हुए शासकीय योजनाओं में लाभान्वित हितग्राहियों एवं आमजनों के साथ चर्चा की और ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुये उसका मौके पर ही निराकरण भी किया। इस दौरान सांसद श्री साहू ने पौधारोपण भी किया। सांसद बंटी विवेक साहू ने ग्राम कोहका के बाबाढाना में जहा रंगमंच के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

बाल-युवा संस्कार शिविर का हुआ भव्य समापन, संस्कार और संस्कृति का मिला संदेश

चौरई। तारण तरण दिगम्बर जैन चैत्यालय, चौरई में अखिल भारतीय तारण तरण दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित छह दिवसीय बाल-युवा संस्कार शिविर का सोमवार 8 जून 2026 को भव्य समापन हुआ। 3 जून से 8 जून तक चले इस शिविर में बच्चों और युवाओं को धार्मिक, नैतिक एवं सांस्कृतिक संस्कारों से जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।शिविर के दौरान पंडित वीर अतिशय जी शास्त्री, पंडित प्रबल जी शास्त्री, पंडित वीर समकित जी शास्त्री एवं पंडित प्रयास जी शास्त्री का मंगल सानिध्य प्राप्त हुआ। उनके मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को जैन धर्म के सिद्धांतों, नैतिक मूल्यों और जीवनोपयोगी संस्कारों की शिक्षा दी गई।संस्कार शिविर में प्रतिदिन कक्षाएं, प्रवचन, भक्ति कार्यक्रम तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में लगभग 150 से 200 प्रतिभागियों की सहभागिता रही। शिविर के समापन से पूर्व प्रतिभागियों की परीक्षा भी आयोजित की गई, जिससे उनके ज्ञान और संस्कारों का मूल्यांकन किया गया।समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बिजली विभाग के प्रमुख अधिकारी श्री अंकित जैन उपस्थित रहे।

ट्रेक्टर दुर्घटना से किसानों की मृत्यु की बढ़ती घटनायें चिंतनीय - किसान कांग्रेस

छिंदवाड़ाः जिला किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष चौधरी पुष्पेन्द्र सिंह ने कहा कि वर्तमान में मानसून की दस्तक को देखते हुये जिले के किसान खरीफ फसल के लिये खेतों की बखरानी और बोनी के कार्य में जोर-शोर से लगे हैं । उन्होनें बताया कि गत दिवस चॉद थाना क्षेत्र के उमेगॉव में किसान की कृषि कार्य करने के कारण मृत्यु हो गई थी, इसके बाद तामिया क्षेत्र के ग्राम सिधोली में भी कृषि कार्य के दौरान ट्रेक्टर के दुर्घटना होने से एक किसान की आकस्मिक मृत्यु हो गई ऐसी घटनायें चिंतनीय है । किसानों को कृषि कार्य पूर्ण सुरक्षा और सावधानी से करना चाहिये, वे किसी प्रकार की जल्दबाजी न करें, विशेषकर कुँओ, नदी, नालों, मेढ़ों एवं पहाड़ों के किनारे स्थित खेतों में सावधानी पूर्वक ट्रेक्टर चलायें । किसान कांग्रेस की ओर से उन्होनें दोनों घटनाओं में मृतक किसान के परिवारों को मुआवजा राशि देने की मांग शासन से की है ।

लगातार कार्य लेने के बावजूद महीनों से नहीं मिला मानदेय, आर्थिक संकट से जूझ रहीं पर्यवेक्षक

लालबर्रा में आशा पर्यवेक्षकों का फूटा आक्रोश 7.88 लाख रुपये का भुगतान लंबित, विभागीय कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

हरिभूमि न्यूज लालबर्रा। शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा अंतर्गत कार्यरत आशा पर्यवेक्षकों का लंबे समय से लंबित भुगतान अब बड़ा प्रशासनिक मुद्दा बनता दिखाई दे रहा है। कई महीनों से मानदेय एवं अन्य देय राशि प्राप्त नहीं होने से नाराज आशा पर्यवेक्षकों ने 12 जून 2026 दिन शुक्रवार को खंड चिकित्सा अधिकारी की अनुपस्थिति में बीसीएम श्रीमती सपना धुर्वे एवं बीपीएम भुवनेश्वर बोपचे को सामूहिक आवेदन सौंपकर अपनी गंभीर आपत्ति दर्ज कराई। आवेदन में आशा पर्यवेक्षकों ने आरोप लगाया है कि विभाग द्वारा लगातार फील्ड कार्य, विभागीय गतिविधियों एवं विभिन्न योजनाओं का दायित्व नियमित रूप से सौंपा जा रहा है,लेकिन कार्य के अनुरूप भुगतान समय पर नहीं किया जा रहा। इससे कर्मचारियों के समक्ष आर्थिक अस्थिरता और मानसिक दबाव की स्थिति निर्मित हो गई है।आवेदन के अनुसार फरवरी 2026 से वर्तमान तक किसी भी प्रकार का नियमित भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है। इसके अलावा जनवरी 2026 माह की प्रति आशा पर्यवेक्षक 6,633 रुपये की राशि भी लंबित बताई गई है। वहींअगस्त,सितंबर,अक्टूबर एवं नवंबर 2025 की बढ़ी हुई अतिरिक्त राशि 633 रुपये प्रति माह भी अब तक जारी नहीं की गई है।पर्यवेक्षकों के अनुसार एक-एक कर्मचारी का कुल लंबित भुगतान लगभग 71,697 रुपये तक पहुंच चुका है।

लालबर्रा विकासखंड में वर्तमान में कार्यरत 11 आशा पर्यवेक्षकों का कुल लंबित भुगतान लगभग 7,88,667(सात लाख अठ्ठयासी हजार छः सौ सड़सठ रुपये) बताया गया है।

कार्य पूरा,भुगतान अधूरा— कर्मचारियों ने उठाए सवालरू आशा पर्यवेक्षकों का कहना है कि विभागीय स्तर पर कार्यों को लेकर निरंतर दबाव बनाया जाता है,लेकिन भुगतान संबंधी जानकारी,समयसीमा या समाधान स्पष्ट नहीं किया जाता।उनका आरोप है कि सीमित संसाधनों और व्यक्तिगत खर्च पर क्षेत्रीय कार्यों का निर्वहन किया गया,फिर भी समय पर भुगतान नहीं हुआ।

विभागीय लापरवाही की जांच की मांगरू आवेदन में मांग की गई है किसभी लंबित भुगतान तत्काल जारी किए जाएं,भुगतान में हुई देरी के कारणों की जांच की जाए,जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए,भविष्य में समयबद्ध भुगतान व्यवस्था सुनिश्चित की जाए,मामले की जानकारी जिला स्तर तक पहुंचाकर आवश्यक प्रशासनिक हस्तक्षेप कराया जाए।आशा पर्यवेक्षकों ने यह भी कहा कि आवेदन की प्रतिलिपि कलेक्टर बालाघाट एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी को भी भेजी जाएगी ताकि मामले का शीघ्र निराकरण हो सके।

इनका कहना हैं

"फरवरी से लेकर अभी तक के सभी प्रकार का भुगतान लंबित है। हम फील्ड में लगातार कार्य कर रहे हैं लेकिन भुगतान नहीं मिलने से कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। परिवार के पालन-पोषण के लिए उधारी लेनी पड़ रही है। हमारी मांग है कि लंबित भुगतान तत्काल किया जाए और भविष्य में नियमित भुगतान सुनिश्चित हो।"

ममता भोयर, आशा पर्यवेक्षक,लालबर्रा

वहीं इस संबंध में खंड चिकित्सा अधिकारी की ओर से बताया गया—"बजट का इश्यू चल रहा था, इस माह तक भुगतान क्लियर होने की संभावना है।"

डॉ. रितु धुर्वेखंड चिकित्सा अधिकारीशासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा

बाजार से खरीदने को मजबूर मरीज, अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रेबीज इंजेक्शन का अकाल

हरिभूमि न्यूज कटंगी। बालाघाट जिले के विकासखंड मुख्यालय कटंगी स्थित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली फिर एक बार सामने आई है। लंबे समय से यहां रेबीज के इंजेक्शन उपलब्ध नहीं हैं। कुत्ता, बिल्ली या अन्य जानवरों के काटने से पीड़ित मरीजों को अस्पताल में एंटी रेबीज वैक्सीन नहीं मिल पा रही है। मजबूरी में घायल और उनके परिजनों को बाजार से महंगा यानी करीब 4 सौ रुपए का इंजेक्शन खरीदकर लाना पड़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक अस्पताल में अन्य जरूरी इंजेक्शन और दवाओं का भी टोटा है। आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन इस गंभीर मामले में लापरवाही बरत रहा है। शुक्रवार को अस्पताल में दो अलग-अलग स्थानों से ऐसे बच्चे (मरीज) पहुंचे जिन्हें 05 जून को कुत्ते ने काट लिया था। वह अपने पिता के साथ रेबीज का इंजेक्शन लगवाने आए थे। लेकिन स्वास्थ्य कर्मचारियों ने स्टॉक में इंजेक्शन न होने की बात कहते हुए उन्हें कल आना कहकर वापस जाने के लिए कह दिया था। बता दें जिन दो लोगों को वापस जाने के लिए कहा गया था उनमें एक नगर वार्ड क्रमांक 14 निवासी पार्षद प्रतिनिधि खेमू कोचर भी शामिल थे। जब उन्हें स्वास्थ्य कर्मचारियों ने वापस जाने के लिए कहा कि तो उन्होंने सीधे लेखपाल सचिन अग्रवाल से चर्चा की। जिसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने बाजार से रेबीज का इंजेक्शन मंगवाया और दोनों ही मरीजों को लगवाया।

इस पूरे मामले के सामने आने के बाद सवाल यही है कि यदि जनप्रतिनिधि हस्तक्षेप न करते तो क्या मरीजों को बिना इंजेक्शन लौटना पड़ता? गौरतलब हो कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाली पर मुख्य जिला एवं चिकित्सा अधिकारी और जिला प्रशासन का ध्यान नहीं है। दिलचस्प बात तो यह है कि बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीणा ने अब तक के अपने कार्यकाल में एक बार भी सरकारी अस्पताल कटंगी का निरीक्षण नहीं किया। ऐसा माना जाता है कि जिले के आला अधिकारी समय-समय पर स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण करें तो दवाओं की कमी, स्टाफ की लापरवाही जैसी समस्याएं सामने आ सकेंगी। कटंगी ब्लॉक मुख्यालय का अस्पताल होने के बावजूद यहां मूलभूत सुविधाओं का अभाव चिंताजनक है। खैर, इस घटना के सामने आने के बाद लापरवाही बरतने वाले पर कार्रवाई और जवाबदेही तय होना जरूरी है और यह काम सीएचएमओ और कलेक्टर दोनों ही कर सकते है क्योंकि स्टॉक खत्म होने पर पहले से डिमांड न भेजने वाले प्रभारी पर अगर कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में भी इस तरह की लापरवाही के मामले सामने आते ही रहेगें।

खेमू कोचर ने बताया कि 05 जून को उनके बेटे को कुत्ते ने काट लिया। घटना के बाद जब वह अस्पताल पहुंचे तो बेटे को रेबीज का इंजेक्शन लग गया। स्वास्थ्य कर्मचारियों ने इंजेक्शन के शेष डोज के लिए तिथि निर्धारित कर दी। निर्धारित तिथि पर जब वह अस्पताल पहुंचे तो इंजेक्शन ही नहीं था। समय पर इंजेक्शन नहीं लगने की वजह से अब फिर से पूरा कोर्स करना होगा। उन्होंने कहा सरकारी अस्पताल गरीब जनता के लिए है। यदि यहां भी बाजार से इंजेक्शन खरीदना पड़े तो फिर सरकारी सुविधा का क्या मतलब? रेबीज का मामला बहुत संवेदनशील है। हमने लेखपाल से बात कर आज इंजेक्शन लगवाया, लेकिन रोज-रोज हम नहीं जा सकते। स्थायी समाधान होना चाहिए। ग्राम बासी ताराचंद राउत ने बताया कि उनके बेटे भव्य को 05 जून को कुत्ते ने काट दिया। वह अस्पताल पहुंचे इंजेक्शन लगा दूसरे डोज के लिए 08 जून को बुलाया गया। अस्पताल आए तो इंजेक्शन नहीं था 09 तारीख को बुलाया गया। 09 को इंजेक्शन लगा तीसरे डोज के लिए 12 को बुलाया गया आज पहुंचे तो फिर इंजेक्शन नहीं था। उन्होंने बताया कि उनका गांव अस्पताल से 10 किमी दूर है। डॉक्टर ने पर्ची पर इंजेक्शन लिखा और कर्मचारी बोल रहे है कि स्टॉक में नहीं है, मेडिकल स्टोर से ले आओ। 400-500 रुपये का एक डोज है। हमें 5 डोज लगवाने हैं। मजदूरी करके परिवार चलाते हैं, इतना पैसा कहां से लाएं? सरकार कहती है इलाज मुफ्त है, लेकिन यहां तो उल्टा हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पास कोई निजी साधन नहीं है ऐसे में ऑटो से आते है कि एक बार कटंगी आने-जाने में ही 120 का खर्च आता है बार-बार आना-जाना करते रहेगे तो पूंजी की बर्बादी होती है।

सूत्रों का कहना है कि समस्या केवल एंटी रेबीज वैक्सीन तक सीमित नहीं है। सरकारी अस्पताल कटंगी में तमाम तरह के जरूरी इंजेक्शन, एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक और इमरजेंसी दवाओं की भी कमी है। कई बार मरीजों को सामान्य बुखार, उल्टी-दस्त की दवाएं भी बाहर से खरीदनी पड़ती हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत एंटी रेबीज वैक्सीन को अनिवार्य दवाओं की सूची में रखा गया है। नियमानुसार हर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर यह वैक्सीन निःशुल्क उपलब्ध होनी चाहिए। इसके लिए राज्य सरकार नियमित बजट जारी करती है। जिला वैक्सीन स्टोर से ब्लॉक स्तर पर मांग के अनुसार सप्लाई दी जाती है। स्वास्थ्य विभाग के जानकार बताते हैं कि यदि किसी केंद्र पर स्टॉक खत्म हो रहा है तो प्रभारी चिकित्सा अधिकारी की जिम्मेदारी है कि वह 15 दिन पहले ही डिमांड भेजे। इमरजेंसी में जिला मुख्यालय से तत्काल स्टॉक मंगाया जा सकता है। कटंगी में ऐसा न होना प्रबंधन की लापरवाही दर्शाता है। अस्पताल में जांच किट, एक्स-रे फिल्म और पैथोलॉजी रिएजेंट की कमी की शिकायतें भी सामने आती रहती हैं। इसके चलते मरीजों को निजी लैब में जांच करानी पड़ती है।

किसानों की समस्याओं की अनदेखी कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी: नगपुरे

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बिठली के पावन ब्रह्ममंदिर प्रांगण में किसान गर्जना संगठन की महत्वपूर्ण और व्यापक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश बंसोड के मुख्य आतिथ्य एवं जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे की गरिमामयी अध्यक्षता एवं जिला उपाध्यक्ष संदीप बिसेन, ग्रामीण अध्यक्ष नारायण पटले सहित अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से आए भारी संख्या में किसानों और ग्रामीण जनों ने सहभागिता कर अपनी अटूट एकजुटता का परिचय दिया। जहाँ संगठन विस्तार पर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में संगठन की पहुंच प्रत्येक ग्राम स्तर तक सुनिश्चित की जाएगी। ताकि शोषित और जरूरतमंद किसानों की आवाज को शासन, प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाया जा सके। इसके साथ ही संगठन को और अधिक सक्रिय व सशक्त बनाने के उद्देश्य से नए पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपने पर भी विचार विमर्श किया गया।

बैठक में क्षेत्र के किसानों की ज्वलंत समस्याओं पर गहन चिंतन मनन हुआ। उपस्थित किसानों ने कृषि लागत, सिंचाई व्यवस्था, फसलों के उचित मूल्य नही मिलने जैसी प्रमुख कठिनाइयों को प्रमुखता से सामने रखा। प्रांतीय नेतृत्व ने आश्वासन दिया कि किसान गर्जना संगठन किसानों के हक की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक लड़ने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर रामकुमार नगपुरे ने कहा कि किसान हमारे देश की रीढ़ हैं और उनकी समस्याओं की अनदेखी कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता हर परिस्थिति में किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। जल्द ही आगामी व्यापक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर धरातल पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर हुकुमचंद बिसेन, युगल किशोर बिसेन, राजेन्द्र बिसेन, गिरिश पटले, गुरुदयाल भगत, रुपेन्द्र राउत, घनश्याम राउत, काशीराम वनकर, अंकित बिसेन, प्रतीक पटले, अभिषेक बिसेन, राधेश्याम राउत, हेमराज राउत, लोक चन्द बिसेन, ओमकार पटले, होसलाल पटले , बलीराम पटले, गुनाराम पटले, मुरली नेरकर, रामेश्वर नेरकर, सामूलाल नेरकर, देवदास नेरकर, शिवराम बनकर, प्रहलाद उइके, अर्जुन उइके, बलीराम दानवे सहित बड़ी संख्या में सक्रिय सदस्य व गणमान्य नागरिक उपस्थिति रहे।

आरोग्य भारती की जिला कार्यकारिणी घोषित

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के आयाम आरोग्य भारती की जिला कार्यकारिणी घोषित की गई है। यह कार्यकारिणी क्षेत्रीय संगठन मंत्री भोलानाथ के मार्गदर्शन एवं विभाग संयोजक डॉ. नीरज अरोरा की सहमति से घोषित की गई है। जिसमें अध्यक्ष डॉ. दीपांक रामटेककर, उपाध्यक्ष डॉ. गिरेन्द्र पवार, डॉ. सुशांत शुक्ला, अविरल चावड़ा सचिव डॉ. वागीश रहांगडाले, सहसचिव डॉ, निलेश शिवहरे, डॉ. प्रभात घुले, नोकेश बिसेन, कोषाध्यक्ष डॉ. विशाल असाटी, महिला प्रमुख डॉ. जयश्री अरोरा, कार्यकारिणी सदस्य डॉ. गगन अग्रवाल, देवेन्द्र रहांगडाले, रमेश बलभद्र, किशोरी विकास प्रमुख डॉ साधना मिश्रा, वनौषधि प्रचार प्रसार प्रमुख डॉ. मोहित पटेल, घरेलु उपचार प्रमुख डॉ. गौरव पुरी, महाविद्यालय प्रबोधन प्रमुख डॉ. रूपाल शरणागत, व्यसन मुक्ति प्रमुख डॉ. विशेष बाकट, पर्यावरण प्रमुख डी डी मेश्राम, स्वस्थ ग्राम योजना प्रमुख डॉ नरेन्द्र मेहरबान, आरोग्य संपदा प्रमुख डॉ हेमंत बिसेन, योग प्रमुख दशरथ बिसेन, संरक्षक डॉ. आर के पंड्या, डॉ. जे पी सुनेरी को मनोनीत किया गया है। इसके पश्चात जिले के विभिन्न खण्ड स्तर पर दायित्व धारियों की घोषणा शीघ्र अतिशीघ्र की जावेगी।

खबर संक्षेप

16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नेहा मीना ने वर्षा ऋतु में मछलियों के प्रजनन एवं संरक्षण को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी प्रकार के जल संसाधनों में 16 जून से 15 अगस्त 2026 तक की अवधि को बंद ऋतु (क्लोज सीजन) घोषित कर मत्स्याखेट पर पूर्णतःप्रतिबंध के आदेश जारी किए हैं। साथ ही उक्त अवधि में मछलियों के विक्रय, विनिमय एवं परिवहन पर भी रोक रहेगी। जारी अधिसूचना के अनुसार नियमों का उल्लंघन करने पर मध्यप्रदेश मत्स्य क्षेत्र (संशोधन) अधिनियम, 1981 की धारा-5 के तहत दो व्यक्ति को एक वर्ष तक का सश्रम कारावास अथवा 5 हजार रुपये तक का जुर्माना या दोनों दंड दिए जाने का प्रावधान है।

समान नागरिक संहिता पर जनपरामर्श बैठक आज

हरिभूमि न्यूज सिवनी। प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के अध्ययन एवं परीक्षण के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति द्वारा जनपरामर्श कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला प्रशासन सिवनी द्वारा 13 जून आज प्रातः 11 बजे प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी के सभाकक्ष में जनपरामर्श बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में जनप्रतिनिधियों, प्रमुख नागरिकों, अधिवक्ताओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य समान नागरिक संहिता के संबंध में समाज के विभिन्न वर्गों के सुझाव एवं विचार प्राप्त करना है, जिससे समिति को व्यापक जनमत उपलब्ध हो सके। उच्च स्तरीय समिति के सदस्य एवं विधि विशेषज्ञों की उपस्थिति में आयोजित होने वाली इस बैठक में सहभागी अपने सुझाव एवं मत प्रस्तुत कर सकेंगे। जिला प्रशासन ने नागरिकों से कार्यक्रम में सहभागिता कर रचनात्मक सुझाव देने की अपील की है। प्राप्त सुझावों एवं विचारों का उपयोग समान नागरिक संहिता के संबंध में अध्ययन एवं अनुशंसाओं को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाने में किया जाएगा।

समान नागरिक संहिता उच्च स्तरीय समिति के सदस्य का प्रवास कार्यक्रम आज

हरिभूमि न्यूज सिवनी। उच्च स्तरीय समिति (समान नागरिक संहिता) के सदस्य अनूप नायर 13 जून 2026 को सिवनी जिले के प्रवास पर रहेंगे। प्राप्त दौरा कार्यक्रम के अनुसार श्री नायर 13 जून को जबलपुर से सडक़ मार्ग द्वारा आज प्रातः 10.30 बजे सिवनी पहुंचेंगे। इसके पश्चात वे प्रातः 11 बजे आयोजित जन परामर्श बैठक में सहभागिता करेंगे तथा संबंधित विषयों पर नागरिकों एवं विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों से चर्चा करेंगे। बैठक उपरांत श्री नायर दोपहर 1:30 बजे सिवनी से नरसिंहपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

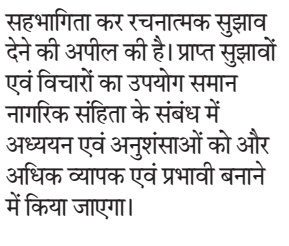

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक रूसिया के जिले में आगमन पर हुआ आत्मीय स्वागत

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक रूसिया के सिवनी आगमन पर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा उनका गरिमापूर्ण स्वागत किया गया। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना एवं पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण लालचंदानी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय अभिनंदन किया। इस अवसर पर पुलिस बल द्वारा कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान कर सम्मान व्यक्त किया गया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक एवं न्यायिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज के छात्र पढ़ने आए हैं या गुंडागर्दी करने?

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो ते से वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि मेडिकल कॉलेज से जुड़े कुछ प्रशिक्षु डॉक्टर एवं छात्र बिंझावाड़ा क्षेत्र में ग्रामीणों के साथ विवाद और मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं।

हालांकि वायरल वीडियो की सत्यता और उसमें किए जा रहे दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि वीडियो में दिखाई दे रहे लोग वास्तव में मेडिकल कॉलेज से जुड़े छात्र या प्रशिक्षु डॉक्टर हैं, तो यह चिंता का विषय है। समाज चिकित्सा शिक्षा प्राप्त कर रहे युवाओं से अनुशासन, संवेदनशीलता और सेवा भाव की अपेक्षा करता है। ऐसे में यदि उनका नाम विवाद, झगड़े या अनुचित गतिविधियों से जुड़ता है, तो इससे संस्थान की छवि भी प्रभावित होती है।

क्षेत्र में यह चर्चा भी आम है कि मेडिकल कॉलेज से जुड़े कुछ छात्रों के नाम समय-समय पर विवादों में सामने आते रहे हैं। हालांकि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में भी छात्र विवाद और मारपीट जैसी घटनाएं सामने आती रही हैं, जिनमें जांच के बाद कार्रवाई की गई है। ?

स्थानीय लोगों ने मांग की है कि वायरल वीडियो की जांच कराई जाए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। साथ ही मेडिकल कॉलेज प्रबंधन से भी अपेक्षा की जा रही है कि वह छात्रों के आचरण, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारियों पर विशेष ध्यान दे।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि चिकित्सा सेवा और मानवता का पाठ पढऩे वाले छात्र यदि बार-बार विवादों में दिखाई दें, तो यह समाज और संस्थान दोनों के लिए चिंताजनक स्थिति बन सकती है। जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी।

बिजली संकट से कराह रहा घंसौर

घंसौर / भीषण गर्मी और उमस के बीच घंसौर क्षेत्र इन दिनों बिजली संकट की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती और बार-बार ट्रिपिंग से आमजन के साथ-साथ किसानों की परेशानियां भी चरम पर पहुंच गई हैं। दिन हो या रात, कई-कई घंटों तक बिजली गुल रहने से लोगों का जनवन अस्त-व्यस्त हो गया है। सबसे अधिक परेशानी किसानों को उठानी पड़ रही है। खेतों में सिंचाई के लिए लगाए गए पंप समय पर नहीं चल पा रहे हैं, जिससे फसलें प्रभावित होने लगी हैं। किसानों का कहना है कि बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण खेती-किसानी का पूरा कार्य प्रभावित हो रहा है। रात में बिजली आने और अचानक चले जाने से किसानों को जागकर खेतों की निगरानी करनी पड़ रही है, जिससे उनकी दिनचर्या भी बिगड़ गई है। वहीं नगर क्षेत्र में भी बिजली संकट का असर साफ दिखाई दे रहा है। छोटे व्यापारी, कंप्यूटर सेंटर, फोटोकॉपी दुकानदार, वेल्डिंग एवं अन्य व्यवसाय बिजली न रहने के कारण प्रभावित हो रहे हैं। कारोबार में गिरावट आने से व्यापारियों की चिंता बढ़ती जा रही है। दूसरी ओर पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है, क्योंकि मोटर पंप नहीं चल पाने से कई मोहल्लों में पानी की आपूर्ति बाधित हो रही है। गर्मी के इस मौसम में पंखे और कूलर बंद रहने से बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रात के समय बिजली कटने से लोगों की नींद पूरी नहीं हो पा रही है और मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है।

क्षेत्रवासियों ने बिजली विभाग से मांग की है कि अघोषित कटौती पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा विद्युत आपूर्ति को सुचारु बनाया जाए। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो जनआंदोलन की स्थिति बन सकती है। घंसौर की जनता अब राहत की उम्मीद लगाए बैठी है और जिम्मेदार अधिकारियों से त्वरित कार्रवाई की मांग कर रही है।

श्री श्याम परिवार समिति सिवनी द्वारा भव्य श्याम मोपेड रैली का आयोजन आज

हरिभूमि न्यूज सिवनी। श्री श्याम परिवार समिति सिवनी द्वारा खाटू वाले श्री श्याम बाबा के भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में 13 जून 2026, शनिवार को एक विशाल एवं आकर्षक श्याम मोपेड रैली का आयोजन किया जा रहा है। यह रैली प्रातः 8:00 बजे से 10:00 बजे तक आयोजित होगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्याम भक्त अपने मोपेड एवं दोपहिया वाहनों के साथ शामिल होकर बाबा श्याम के जयकारों से नगर को भक्तिमय बनाएंगे। रैली का शुभारंभ मठ मंदिर सिवनी से होगा तथा यह रैली अग्रवाल धर्मशाला, नेहरू रोड, शुक्रवारी, बारापत्थर, बड़े मिशन स्कूल, सर्किट हाउस के सामने, दलसागर तालाब, लक्ष्मीनारायण मंदिर, गंगानगर एवं गंज वार्ड होते हुए नागपुर रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में संपन्न होगी।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि रैली का उद्देश्य बाबा श्याम के प्रति श्रद्धा, भक्ति एवं प्रेम का संदेश जन-जन तक पहुंचाना तथा आगामी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रति लोगों को आमंत्रित करना है। रैली में शामिल सभी श्रद्धालु भगवा एवं श्याम निशान के साथ बाबा के जयकारे लगाते हुए नगर भ्रमण करेंगे।

समिति ने नगर के समस्त श्याम भक्तों, युवाओं एवं महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में रैली में सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। साथ ही सभी प्रतिभागियों से हेलमेट पहनने, यातायात नियमों का पालन करने एवं अनुशासन बनाए रखने का अनुरोध किया गया है। उल्लेखनीय है कि नागपुर रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में 15, 16 एवं 17 जून को तीन दिवसीय भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम, निशान यात्रा, भजन संध्या एवं महाप्रसादी का आयोजन होगा।

तेज हवा-तूफान से बिजली का पोल सड़क पर गिरा

पां. छपारा -उगली मार्ग पडने वाला खुरसुरा-कनारी मार्ग पर आवागमन बाधित-उगली। जिले की केवलारी जनपद पंचायत अंतर्गत उप तहसील उगली क्षेत्र में शुक्रवार को तेज हवा और तूफान के चलते बड़ा हादसा टल गया।

उगली से लगभग 15 किलोमीटर दूर खुरसुरा और कनारी के बीच मुख्य मार्ग पर बिजली का पोल गिर जाने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोपहर के समय अचानक तेज हवा और तूफान चलने लगा, जिसके कारण सडक़ किनारे स्थित बिजली का पोल सडक़ के बीचों-बीच आ गिरा। पोल के साथ बिजली के तार भी नीचे लटक गए। घटना के बाद दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना विद्युत विभाग एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को दी। सूचना मिलने के बाद विभागीय अमला मौके पर पहुंचा और पोल को हटाने तथा विद्युत आपूर्ति को सुरक्षित तरीके से बहाल करने की कार्रवाई शुरू की गई। ग्रामीणों का कहना है, कि यदि घटना के समय सडक़ पर अधिक यातायात होता तो कोई बड़ा हादसा भी हो सकता था। फिलहाल प्रशासन एवं विद्युत विभाग द्वारा मार्ग को शीघ्र सुचारु करने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि क्षेत्रवासियों को आवागमन में हो रही परेशानी से राहत मिल सके।

लगभग 1 घंटे की बारिश भी झमाझम पां. छपारा क्षेत्र में होने से एक तरफ प्रचंड गर्मी से राहत और वर्तमा खरीफ की फसल के लिये बारिश से कृषि कार्य में गती आयेगी, आने वाले समय में मानसून के अच्छे संकेत देखने को मिल रहे हैं, किसानों को राहत के साथ मानसून की दस्तक शुरू हो गई।

पिछड़ा वर्ग विभाग की बैठक सम्पन्न

भाजपा सरकार पिछड़ा वर्ग को उसका वास्तविक हक दिलाने में नाकाम रही है-नरेश मरावी

सिवनी। जिला कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग की बैठक जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर उपस्थित पिछड़ा वर्ग विभाग के पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए श्री मरावी ने कहा कि पिछड़ा वर्ग की आवादी देश में लगभग 55 प्रतिशत से उपर है हमारी कांग्रेस की कमलनाथ सरकार ने पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया था परन्तु भाजपा सरकार ने अपनी कपटपूर्ण नीति के कारण आज तक लागू नही किया है। पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहनसिंह चंदेल ने इस अवसर पर कहा कि भाजपा मिठी-मिठी बात करके पिछड़ा वर्ग का वोट तो ले लेती है परन्तु जब अधिकार देने की बात आती है तो अपने वादे से मुकर जाती है। श्री चंदेल ने कहा कि अगर हमें अपना हक एवं अधिकार प्राप्त करना है तो हमें एक जूट होकर कांग्रेस के नेतृत्व में संघर्ष करना होगा। श्री चंदेल ने यह भी कहा कि आज हमारे नेता जन नायक राहुल गांधी ने जिस पुरजोर तरीके से जातिगत जनगणना की मांग संसद में उठाई है हम सभी को उनके नेतृत्व में इस लड़ाई को जारी रखना है।

प्रारंभ में पिछड़ा वर्ग विभाग के जिला अध्यक्ष विनोद यादव ने बैठक की रूपरेखा एवं प्रदेश संगठन द्वारा प्राप्त निर्देशो के संबंध में समस्त पदाधिकारियों को अवगत कराया। बैठक को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हा मो. असलम खान, किसान नेता हुकुमचंद सनोडिया, राजा मुबीन खान ने भी सम्बोधित किया। बैठक का संचालन वरिष्ठ कांग्रेस नेता विष्णुकरोसिया द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन बरघाट क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसी उत्तम बिसेन ने किया। इस अवसर पर जेपीएस तिवारी, जिला संगठन महासचिव हा मो. हनीफ अंसारी, मोहनसिंह चंदेल, अतुलचंद मालू, विष्णु करोसिया, प्रकाश सूर्यवंशी, ध्रुवनारायण चौधरी, श्रीमती गीता सिंह ठाकुर, श्रीमती पवनरेखा रिनायत, विजय उइके, राजा मुबीन, लक्ष्मण मर्सकोले, अशोक सिरसाम, विनोद नामदेव, अजय सोनी, सतेन्द्र बघेल, धनंजय सिंह सांध्य, प्रकाश मसराम, अ.वाहिद अली, आरिफ सफारी सहित बडी संख्या में कांग्रेस जन की उपस्थिति रही।

पुलिस अधीक्षक सिवनी द्वारा अपराध समीक्षा बैठक आयोजित, लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

सिवनी। पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी द्वारा आज दिनांक 11.06.2026 को पुलिस कंट्रोल रूम सिवनी में जिले के समस्त एसडीओपी, थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा, अनुभाग के समस्त एसडीओपी,समस्त थाना एवं चौकी प्रभारी,रक्षित निरीक्षक,कंट्रोल रूम प्रभारी तथा पुलिस कार्यालय की समस्त शाखाओं के प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक में पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए गए प्रमुख निर्देश लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरणः लंबित अपराध, चालान, मर्ग एवं खात्मा खार प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। अनावश्यक रूप से प्रकरण लंबित न रखे जाएं।

गुमशुदा बालक/बालिकाएं: गुमशुदा बालक/बालिकाओं के मामलों में संवेदनशीलता बरतते हुए त्वरित कार्रवाई कर दस्तयाबी सुनिश्चित की जाए।

महिला संबंधी अपराधः महिला संबंधी अपराधों में विशेष संवेदनशीलता अपनाते हुए आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी कर शीघ्र चालान माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जाए।

फरार आरोपी एवं वारंट तामीलीः गंभीर अपराधों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी शीघ्र की जाए। लंबित स्थाई एवं मियादी वारंटों की तामीली शत-प्रतिशत सुनिश्चित की जाए।

प्रतिबंधात्मक एवं कठोर कार्रवाईः प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, जिला बदर की कार्रवाई में वृद्धि की जाए एवं जमानत निरस्तीकरण की कार्रवाई अधिक से अधिक की जावे।

गंभीर घटनाओं पर तत्काल पहुंचः गंभीर घटित अपराधों में थाना प्रभारी एवं एसडीओपी तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करें। रात्रि गश्त नियमित रूप से लगाई जाए और इसकी निगरानी एसडीओपी एवं थाना प्रभारी स्वयं करें, संपत्ति संबंधी अपराध घटित न होने पावे।

यातायात व्यवस्था सुधारःशहर की यातायात व्यवस्था सुधारने हेतु यातायात थाना प्रभारी को मास्टर प्लान बनाकर कार्रवाई के निर्देश। अवैध रूप से सडक़ पर खड़ी बसें, अवैध परमिट वाली बसों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। जिले में चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर समुचित कार्रवाई की जाए। जन शिकायत एवं जागरूकताः सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का शीघ्र निराकरण कर शिकायतकर्ता को पूर्णतः संतुष्ट किया जाए, आवश्यकता पर शिकायत निराकरण शिविर लगाए जाएं। चौपाल एवं जन संवाद के माध्यम से हेलमेट, साइबर एवं महिला अपराध संबंधी जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से चलाए जाएं।

विस्फोटक सामग्री की जांचः समस्त एसडीओपी को विस्फोटक पदार्थ रखने वाले संस्थानों की नियमित जांच कर मानकों के अनुसार वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक के अंत में पुलिस अधीक्षक ने समस्त अधिकारियों को हिदायत दी कि किसी भी प्रकरण में लापरवाही न बरती जाए। पुलिस द्वारा संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्रवाई से समाज में अच्छी छवि बने। किसी भी गलत कार्रवाई के लिए जवाबदेही तय कर संबंधित को दंडित किया जाएगा।

मेरा वाटर बैंकः जल संरक्षण की दिशा में धनौरा जनपद का अभिनव प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के लिए अनेक उल्लेखनीय एवं नवाचार आधारित कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जनपद पंचायत धनौरा द्वारा मेरा वाटर बैंक की अभिनव संकल्पना को जनसहभागिता के माध्यम से मूर्त रूप दिया जा रहा है, जो वर्षा जल संचयन एवं भू-जल पुनर्भरण की दिशा में एक प्रभावी मॉडल बनकर उभर रही है।

ग्रीष्मकाल में जल संकट से प्रभावित होने वाली लगभग 24 ग्राम पंचायतों में लगातार गिरते भू-जल स्तर को ध्यान में रखते हुए यह पहल शुरू की गई है। इसके तहत प्रत्येक घर, खेत एवं खलिहान में उपयोग के अनुसार वर्षा जल को संचित अथवा अवशोषित कर एक्विफर तक पहुंचाने के लिए मेरा वाटर बैंक स्थापित किए जा रहे हैं। यह कार्य जनसहयोग एवं जनभागीदारी के माध्यम से स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर बिना किसी अनुदान के किया जा रहा है।

जल वीर कर रहे जनजागरण

अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जनपद के एपीओ, सहायक यंत्री, चार उपयंत्री एवं एडीईओ को जल वीर के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनके द्वारा जनपद के सभी 114 ग्रामों में जल संवाद कार्यक्रम आयोजित कर जनप्रतिनिधियों, शासकीय सेवकों एवं ग्रामीणों को भू-जल संरक्षण के महत्व तथा जल संचयन की तकनीकों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साथ ही ग्रामों के अनुभवी बुजुर्गों के अनुभवों को भी साझा कर स्थानीय स्तर पर जल संरक्षण के प्रभावी उपायों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

स्थानीय संसाधनों से बन रहे वाटर बैंकः प्रथम चरण में समस्त ग्राम पंचायतों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के निवास, खेत एवं खलिहानों में मेरा वाटर बैंक स्थापित किए जा रहे हैं। इनका न्यूनतम आकार 2 मीटर लंबाई, 2 मीटर चौड़ाई एवं 1.2 मीटर गहराई निर्धारित किया गया है। संरचना में स्थानीय रूप से उपलब्ध बोल्डर, पत्थर, बजरी, मोटी रेत एवं गिट्टी का उपयोग किया जा रहा है। एक वाटर बैंक के निर्माण में लगभग दो श्रम दिवस की आवश्यकता होती है।

590 वाटर बैंक निर्माण का लक्ष्यः अभियान के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में न्यूनतम 10 वाटर बैंक निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस प्रकार जनपद क्षेत्र में कुल 590 मेरा वाटर बैंक स्थापित करने का संकल्प लिया गया है। अनुमान है कि 2 मीटर आकार का एक वाटर बैंक वर्षा ऋतु में लगभग 4,800 लीटर जल को भूमि में अवशोषित कर भू-जल स्तर बढ़ाने में सहायक होगा। इस आधार पर प्रथम वर्ष में लगभग 84 लाख लीटर जल क्षेत्र के एक्विफर में संरक्षित किया जा सकेगा

जल वन मिशन की प्रगति की कलेक्टर ने की समीक्षा

माइक्रो प्लान बनाकर योजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जल वन मिशन की प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित एकल नल जल एवं समूह नल जल योजनाओं की प्रगति, घर-घर नल कनेक्शन की स्थिति तथा पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में सर्वप्रथम एकल नल जल योजनाओं की प्रगति का अवलोकन किया गया। जिले में स्वीकृत 752 योजनाओं के विरुद्ध उनकी पूर्णता तथा घर-घर नल कनेक्शन की स्थिति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने शेष कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने लक्ष्य के विरुद्ध शेष रहे नल कनेक्शनों को शीघ्र पूरा कर प्रत्येक पात्र परिवार तक पेयजल सुविधा पहुंचाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती मीना ने विकासखंडवार पूर्ण हो चुकी योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित करने की स्थिति का भी अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पूर्ण योजनाओं का समयबद्ध हस्तांतरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि उनके संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी प्रभावी ढंग से निर्वहन हो सके। उन्होंने आवश्यक बसाहटों में सतत पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नलकूप खनन हेतु आमजन के लिए उपयोगी एवं उपयुक्त स्थानों का चयन करने के निर्देश दिए। साथ ही समूह नल जल योजनाओं की समीक्षा करते हुए बंडोल, सिद्धघाट, संगमघाट, झुरकी तथा पायली समूह नल जल योजनाओं में शामिल ग्रामों और वहां की जलापूर्ति की स्थिति का विस्तृत परीक्षण किया गया।

कलेक्टर श्रीमती मीना ने प्रगतिरत संगमघाट एवं पायली समूह नल जल योजनाओं के लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर संबंधित ग्रामों में शीघ्र जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी निर्माण एवं संचालन संबंधी कार्यों के लिए माइक्रो प्लान तैयार कर चरणबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक कार्य की स्पष्ट समय-सीमा तय की जाए

30 जून तक पूर्ण कराएं पीएम किसान योजना की ई-केवायसी

हरिभूमि न्यूज सिवनी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की सहायता राशि तीन समान किश्तों में प्रदान की जाती है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों का ई-केवायसी, आधार लिंकिंग, बैंक खाते का डीबीटी सक्षम होना तथा फार्मर आईडी का अद्यतन होना आवश्यक है। पीएम-किसान योजना के सभी हितग्राहियों को प्रत्येक वर्ष बायोमेट्रिक माध्यम से ई-केवायसी कराना अनिवार्य है। वर्तमान वर्ष के लिए ई-केवायसी पूर्ण करने की अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है। ई-केवायसी की प्रक्रिया कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण द्वारा, पीएम-किसान मोबाइल एप पर फेस रिकग्निशन सुविधा के माध्यम से अथवा ग्राम स्तरीय नोडल अधिकारी (वीएनओ) द्वारा संपादित की जा सकती है। जिले में शत-प्रतिशत ई-केवायसी सुनिश्चित करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। पंचायत स्तर पर विशेष शिविर आयोजित कर किसानों को ई-केवायसी की सुविधा एवं पीएम-किसान एप के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। प्रशासन द्वारा तहसील स्तर पर सीएससी संचालकों की बैठक आयोजित कर लक्ष्य निर्धारित किए जा रहे हैं। वहीं पटवारियों को ग्राम स्तरीय नोडल अधिकारी बनाकर प्रतिदिन के लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत बालिकाओं का शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण आयोजित

सिवनी,/ कलेक्टर सिवनी श्रीमती नेहा मीना एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री मनोज लारोकर के निर्देशन तथा वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री ईशा बाल्मिक के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति अंतर्गत बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत विभिन्न जागरूकता एवं सशक्तिकरण गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार 12 जून 2026 को 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए बरघाट स्थित ऐतिहासिक आष्टा काली मंदिर में एक्सपोजर विजिट एवं शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को क्षेत्र की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत से परिचित कराना तथा उनमें सामाजिक एवं सांस्कृतिक जागरूकता का विकास करना था। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने आष्टा मंदिर परिसर का अवलोकन किया। इस अवसर पर वन स्टॉप सेंटर की केस वर्कर श्रीमती सोनल सक्सेना ने बालिकाओं को मंदिर के इतिहास एवं स्थापत्य कला की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि आष्टा काली मंदिर बरघाट क्षेत्र का एक प्राचीन एवं ऐतिहासिक धार्मिक स्थल है, जिसका निर्माण 13वीं शताब्दी में देवगिरि के यादव वंश के शासनकाल में माना जाता है। अधिकांश ऐतिहासिक स्रोत इसके निर्माण का श्रेय यादव राजा महादेव को देते हैं, जबकि कुछ स्थानीय मान्यताएं इसे राजा रामचंद्र के काल से भी जोड़ती हैं। मंदिर हेमाड़पंथी शैली में निर्मित है, जिसका नाम यादव शासन के प्रसिद्ध मंत्री एवं विद्वान हेमाद्रि पंडित (हेमाड़पंत) के नाम पर पड़ा। स्थानीय मान्यता के अनुसार यहां मूल रूप से आठ मंदिरों का समूह था, जिसके कारण इस स्थान का नाम आष्टा पड़ा।

कार्यक्रम के दौरान केस वर्कर श्रीमती वर्षा बैस ने बालिकाओं को वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं एवं महिला-बाल संरक्षण से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1098, 181, 112 एवं 1930 की जानकारी प्रदान की। साथ ही शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य, बाल संरक्षण, स्वच्छता, बेटी शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित योजनाओं एवं अधिकारों के बारे में भी जागरूक किया गया।

आज से शुरू होगा गर्रा ओवरब्रिज, प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह करेंगे लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट-गर्रा मार्ग पर सफर करने वाले राहगीरों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। बालाघाट-कटंगी रेल सेक्शन पर बनकर तैयार हुआ बहुप्रतीक्षित रेलवे ओवरब्रिज (ROB) शनिवार से आम जनता के यातायात के लिए खोल दिया जाएगा।

प्रदेश के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह दोपहर 12:30 बजे गर्रा स्थित रेलवे क्रॉसिंग क्रमांक बीके-9 के पास आयोजित मुख्य कार्यक्रम में इस ओवरब्रिज का विधिवत लोकार्पण करेंगे। नगरपालिका ने इस नवनिर्मित ओवरब्रिज का नाम 'राजाभोज ओवरब्रिज' रखा है।

लोकार्पण से ठीक पहले दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (गोंदिया) के अनुभाग अभियंता ने महत्वपूर्ण जानकारी दी कि 13 जून को दोपहर 12 बजे से रेलवे फाटक क्रमांक बीके-9 को सड़क यातायात के लिए हमेशा (स्थायी) रूप से बंद कर दिया जाएगा।

इसके बाद बालाघाट से गर्रा, वारासिवनी और कटंगी मार्ग की ओर आने-जाने वाले सभी छोटे-बड़े वाहनों को इसी नए ओवरब्रिज से होकर गुजरना होगा। शुक्रवार को नपा अध्यक्ष ने जिला पंचायत अध्यक्ष और पूर्व नपाध्यक्ष भीम फुलसुंघे के साथ ब्रिज का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया।

इस रोड ओवरब्रिज के शुरू होने से क्षेत्र के लाखों नागरिकों को बरसों पुरानी समस्या से परमानेंट निजात मिल जाएगी। इससे पहले जब भी इस रूट से कोई ट्रेन गुजरती थी, तो रेलवे फाटक बंद होने के कारण दोनों तरफ वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लग जाती थीं।

एम्बुलेंस से लेकर स्कूली बसों और कामकाजी लोगों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ता था। अब इस ब्रिज के चालू होने से सफर न सिर्फ तेज बल्कि बेहद सुरक्षित और सुगम हो जाएगा।

ओवरब्रिज निर्माण कार्य के चलते पिछले लंबे समय से बसों, ट्रकों और अन्य भारी वाहनों के प्रवेश को 'डेंजर रोड' की तरफ डायवर्ट किया गया था। इस डायवर्जन के कारण भारी वाहनों को शहर के भीतर आने और बाहर जाने के लिए कई किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती थी।

इससे शहर की अंदरूनी सड़कों पर दबाव और हादसों का खतरा बना रहता था। अब सीधे ओवरब्रिज चालू होने से भारी वाहनों को बाईपास या डेंजर रोड नहीं जाना पड़ेगा, जिससे वाहन चालकों के समय और डीजल-पेट्रोल दोनों की बड़ी बचत होगी।

स्थानीय प्रशासन और रेलवे विभाग ने संयुक्त रूप से क्षेत्र के वाहन चालकों और आम जनता से अपील की है कि वे शनिवार दोपहर 12 बजे के बाद पुराने बंद हो चुके रेलवे फाटक वाले रास्ते पर जाने का प्रयास न करें। सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी चालक नवनिर्मित ओवरब्रिज, निर्धारित लेन और वहां लगे साइन बोर्ड का पूरी तरह पालन करें।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बालाघाट के सीईओ अभिनव सिंह बघेल हुए शामिल

अपेक्स बैंक अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव ने ली जबलपुर संभाग की समीक्षा बैठक

सहकारिता क्षेत्र को सशक्त एवं पारदर्शी बनाने पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक) भोपाल के प्रशासक एवं अध्यक्ष श्री महेंद्र सिंह यादव ने 12 जून को जबलपुर प्रवास के दौरान जबलपुर संभाग के जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के अधिकारियों की संभागीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में बैंकिंग कार्यों, विभिन्न योजनाओं की प्रगति, प्रशासनिक व्यवस्थाओं तथा सहकारिता क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान श्री यादव ने बैंकों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन, ऋण वितरण, वित्तीय प्रबंधन, किसान हितैषी योजनाओं तथा बैंकिंग सेवाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों, खाताधारकों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

अपने संबोधन में अपेक्स बैंक अध्यक्ष श्री महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला है। इसे और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी तथा जनहितैषी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों, खाताधारकों एवं आम नागरिकों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराना सहकारी बैंकों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

बैठक के उपरांत श्री यादव ने बैंक का निरीक्षण भी किया तथा बैंक की कार्यप्रणाली, सेवा गुणवत्ता, ग्राहक सुविधाओं एवं वित्तीय गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने बैंक अधिकारियों से संवाद कर कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर अपेक्स बैंक भोपाल के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री आर.सी. पटले, संभागीय अधिकारी जबलपुर संभाग, संयुक्त आयुक्त सहकारिता जबलपुर संभाग सहित विभिन्न जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) श्री अभिनव सिंह बघेल ने भी सहभागिता करते हुए बैंक की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत की।

बैठक में सहकारी बैंकों की कार्यक्षमता बढ़ाने, वित्तीय अनुशासन को मजबूत करने, डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के विस्तार तथा किसानों एवं खाताधारकों को अधिक प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष चर्चा की गई। सहकारिता क्षेत्र के विकास एवं बैंकिंग सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से आयोजित यह संभागीय समीक्षा बैठक महत्वपूर्ण रही, जिसमें भविष्य की कार्ययोजना एवं विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया।

राज्यसभा नामांकन विवाद पर दिल्ली में गरजी कांग्रेस, विधायक मधु भगत ने दर्ज कराया विरोध

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

मध्यप्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशी सुश्री मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के बाद प्रदेश कांग्रेस का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। कांग्रेस इसे लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला बताते हुए केंद्र और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगा रही है।

इसी क्रम में मध्यप्रदेश कांग्रेस विधायक दल के सदस्य नई दिल्ली में महामहिम राष्ट्रपति से मुलाकात कर अपनी आपत्ति और पक्ष रखने पहुंचे थे, लेकिन उन्हें ईमेल के माध्यम से यह सूचना दी गई कि राष्ट्रपति के पास मिलने का समय उपलब्ध नहीं है।

राष्ट्रपति भवन से प्राप्त इस जवाब के बाद कांग्रेस विधायकों में भारी नाराजगी देखने को मिली। उनका कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए। जब निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को ही अपनी बात कहने का समय नहीं मिलेगा तो आम जनता की आवाज किस प्रकार सुनी जाएगी। कांग्रेस नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक संवाद की भावना के विपरीत बताया।

ईमेल के माध्यम से मुलाकात का समय न मिलने के बाद कांग्रेस विधायक दिल्ली की सड़कों पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के नामांकन निरस्तीकरण को लेकर केंद्र सरकार, राज्य सरकार तथा चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए गए। कांग्रेस नेताओं का आरोप था कि पूरे मामले में लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक मूल्यों की अनदेखी की गई है।

इस प्रदर्शन में परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मधु भगत भी सक्रिय रूप से शामिल हुए। उन्होंने कांग्रेस विधायक दल के साथ खड़े होकर विरोध दर्ज कराया और कहा कि राज्यसभा चुनाव में जिस प्रकार की घटनाएं सामने आई हैं, वे लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। मधु भगत ने आरोप लगाया कि मीनाक्षी नटराजन का नामांकन साजिश के तहत निरस्त किया गया है और इस मामले में विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका भी सवालों के घेरे में है।

विधायक मधु भगत ने कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने का नाम नहीं है, बल्कि सभी पक्षों को निष्पक्ष अवसर देने और उनकी बात सुनने की व्यवस्था भी लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार है। यदि विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास किया जाएगा और जनप्रतिनिधियों को अपनी बात रखने का अवसर नहीं मिलेगा तो इससे लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास कमजोर होगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र, संविधान और जनाधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। राज्यसभा नामांकन विवाद को लेकर पार्टी का आंदोलन आने वाले दिनों में और तेज हो सकता है। कांग्रेस नेताओं का स्पष्ट कहना है कि यह लड़ाई केवल एक उम्मीदवार के नामांकन की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मर्यादाओं की रक्षा की लड़ाई है।

निर्माणाधीन मकान में मिला महिला का रक्तरंजित शव, इलाके में सनसनी!

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बालाघाट के बैहर थाना क्षेत्र में मोदीनगर इलाके में शुक्रवार को एक निर्माणाधीन मकान में 35 वर्षीय महिला सविता धुर्वे की आधी गर्दन कटी लाश मिली है। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

मृतक सविता धुर्वे चार बच्चों की मां थीं और उनके पति जगानंद धुर्वे का पहले ही देहांत हो चुका है। वह अपनी बेटियों के साथ रहती थीं। गुरुवार शाम को जब उनकी दो बेटियां काम से वापस लौटीं, तो सविता घर पर नहीं थीं। बेटियों ने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन मां का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद वे खाना खाकर सो गईं। शुक्रवार सुबह जब बेटियां अपने नए बन रहे मकान पर पहुंचीं, तो वहां मां का शव चित्त हालत में खून से लथपथ पड़ा था और गर्दन आधी कटी हुई लटकी थी। बेटियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। बैहर थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटना की गंभीरता को देखते हुए बालाघाट से फोरेंसिक साइंस लैब (FSL) की टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले के अनुसार, हत्या की आशंका महिला के ही किसी परिचित व्यक्ति पर जताई जा रही है। हालांकि, हत्या के असली कारणों और इसके पीछे की वजह का अभी तक साफ पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए संदिग्धों और आसपास के लोगों से लगातार पूछताछ कर रही है।

दुकानदार जागपुर में बेहोश मिला, अस्पताल में मौत

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के कोतवाली थाना क्षेत्र के जागपुर में सोने-चांदी के एक व्यापारी की मौत हो गई। गोंगलई निवासी इस व्यापारी का शव शुक्रवार को परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा के बाद उन्हें सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, व्यापारी की लालबर्रा धपेरा-मोहगांव में दुकान थी और वह बालाघाट से आना-जाना करता था। गुरुवार को वह दुकान से लौटने के बाद घर नहीं पहुंचा। परिजनों को सूचना मिली कि वह जागपुर में गंभीर हालत में पड़ा मिला है।

परिजन उसे तुरंत जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल चौकी पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया था। शुक्रवार को जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम (पीएम) कराया गया।

ग्रामीण प्रतिनिधि मुकेश पटले ने बताया कि गोंगलई निवासी रमेश कुर्वे के बड़े बेटे मुकेश कुर्वे के पड़े होने की सूचना मिली थी। मुकेश शराब पीने का आदी था। गुरुवार दोपहर को वह दुकान से बालाघाट लौटा था, जिसके बाद वह जागपुर में मिला। मृतक मुकेश की मौत का स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है, लेकिन शुरुआती जानकारी के अनुसार शराब का अत्यधिक सेवन भी मौत की एक बड़ी वजह बताई जा रही है। मुकेश अक्सर नशे का सेवन करता था।

कलेक्टर ने 16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट पर लगाया पूर्ण प्रतिबंध

बालाघाट। मध्यप्रदेश नदीय मत्स्य उद्योग नियम 1972 की धारा 3(2) तथा संशोधित अधिनियम 1981 के प्रावधानों के तहत राज्य में 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को मत्स्य प्रजनन एवं वंशवृद्धि संरक्षण के उद्देश्य से बंद ऋतु (क्लोज सीजन) घोषित किया गया है। कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने जिले में इस अवधि में मत्स्याखेट पर पूर्ण प्रतिबंध के आदेश जारी कर दिये है। इस दौरान जिले की नदियों, जलाशयों एवं निर्दिष्ट जलक्षेत्रों में मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन तथा मत्स्य विपणन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

सहायक संचालक मत्स्योद्योग सुश्री पूजा रोडगे ने बताया कि यह प्रतिबंध उन छोटे तालाबों एवं जल स्त्रोतों पर लागू नहीं होगा, जिनका किसी नदी से संबंध नहीं है और जिन्हें निर्दिष्ट जल की परिभाषा में शामिल नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त समस्त नदियों और जलाशयों में बंद ऋतु के दौरान किसी भी प्रकार का मत्स्याखेट प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रावधानों के अनुसार दोषी पाए जाने पर एक वर्ष तक का कारावास, पांच हजार रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों दंड दिए जा सकते हैं। प्रतिबंधित अवधि में अवैध मत्स्याखेट एवं मत्स्य व्यापार पर नियंत्रण के लिए जिले में विशेष दलों का गठन किया गया है। ये दल नियमित रूप से जिले के विभिन्न मत्स्य हाट-बाजारों, नदी-घाटों और जलाशयों का निरीक्षण कर छापामार कार्रवाई करेंगे। सुश्री रोडगे ने बताया कि जब्ती की गई ताजी एवं खाने योग्य मछलियों को नियमानुसार नीलाम किया जाएगा तथा नीलामी से प्राप्त राशि शासकीय कोष में जमा की जाएगी। वहीं खाने योग्य नहीं रहने वाली मछलियों को नष्ट कर दिया जाएगा।

जनकल्याण शिविर और लोक कल्याण मेले में उमड़ा जनसैलाब, सैकड़ों हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

केंद्र एवं मध्यप्रदेश शासन की जनहितकारी योजनाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों को एक ही स्थान पर विभिन्न सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा शुक्रवार को कार्यालय परिसर में जनकल्याण शिविर, लोक कल्याण मेला एवं पीएम स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन किए तथा शासन की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर में जनसंवाद, आवेदन, पंजीयन एवं सेवा वितरण की सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम के दौरान पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया।

नगरपालिका सभागार एवं परिसर में आयोजित पीएम स्वनिधि महोत्सव में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डे-एनयूएलएम) शाखा द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत 13 नए आवेदन प्राप्त किए गए। कार्यक्रम में अतिथियों के हाथों हितग्राहियों को सांकेतिक रूप से डमी चेक वितरित किए गए।

शिविर में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत सात हितग्राहियों को क्रेडिट कार्ड प्रदान किए गए, जबकि श्रम योगी मानधन योजना में 37 आवेदकों का पंजीयन किया गया। स्वनिधि से समृद्धि अभियान के अंतर्गत 15 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। इसके अलावा 17 हितग्राहियों का डिजिटल एक्टिवेशन किया गया तथा 18 खाद्य सामग्री विक्रेताओं को एफएसएसएआई फूड सेफ्टी प्रमाण पत्र वितरित किए गए। योजना का त्वरित लाभ दिलाने के लिए विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों द्वारा विशेष स्टॉल भी लगाए गए थे। कार्यक्रम में पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों एवं स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई, जिसे नागरिकों ने सराहा।

थाने में तीन-तीन घंटे बिठाकर प्रताड़ना का आरोप, प्रधान आरक्षक दीपक डोंहरे पर अवैध वसूली मांगने के गंभीर आरोप

दो ग्रामीणों ने एसपी से लगाई गुहार, मोबाइल कॉल के जरिए रुपये मांगने और अभद्र व्यवहार करने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज लांजी।

जिले के लांजी थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक दीपक डोंहरे पर दो ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि थाना परिसर में बुलाकर उन्हें घंटों तक बैठाए रखा गया, अभद्र व्यवहार किया गया और कथित रूप से अवैध रूप से धनराशि की मांग भी की गई। मामले ने क्षेत्र में चर्चा का विषय बना दिया है। शिकायतकर्ता अनतराम निवासी बिंझलगांव और दीपक धनवले निवासी किन्ही ने पुलिस अधीक्षक को सौंपे आवेदन में बताया कि घरेलू उपयोग के लिए करवाए गए एक बोर से जुड़े मामले में उनकी बोर मशीन प्रशासन द्वारा जब्त कर थाने में रखी गई थी। इसी प्रकरण के चलते उन्हें कई बार थाने बुलाया गया।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि संबंधित प्रधान आरक्षक ने उन्हें थाने बुलाकर करीब तीन-तीन घंटे तक पूछताछ केंद्र में बैठाकर रखा। इस दौरान उनके साथ कथित रूप से अपमानजनक व्यवहार किया गया और ऐसी भाषा का प्रयोग किया गया, जिससे उन्हें मानसिक रूप से ठेस पहुंची। शिकायत में कहा गया है कि एक जिम्मेदार पुलिस अधिकारी से इस प्रकार के व्यवहार की अपेक्षा नहीं की जा सकती।ग्रामीणों का कहना है कि वे जांच में सहयोग करने के लिए थाने पहुंचे थे, लेकिन उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान किया गया। इससे वे मानसिक तनाव और असहज स्थिति का सामना करने को मजबूर हुए।

आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि संबंधित अधिकारी द्वारा मोबाइल फोन के माध्यम से बार-बार संपर्क कर कथित रूप से धनराशि की मांग की गई। शिकायतकर्ताओं ने दावा किया है कि पूछताछ के दौरान उन्हें बंद कमरे में बैठाकर रखा गया, जिससे वे भय और दबाव महसूस कर रहे थे।दोनों ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए जाने पर संबंधित प्रधान आरक्षक के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शिकायत की निष्पक्ष जांच होती है तो इससे आम नागरिकों का पुलिस व्यवस्था पर विश्वास और मजबूत होगा।हालांकि, समाचार लिखे जाने तक संबंधित पुलिस अधिकारी अथवा पुलिस विभाग की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।